IX^th STD SECOND TERM EXAMINATION 2023-24

HINDI - ANSWER KEY

Time : 1½ Hours **Total Score: 40**

1.	प्रकाश
2.	मन के बंधन
3.	चार सही प्रस्ताव (क) हमें स्नेह का महत्व समझना है। (ख) हमें सच्चाई को स्वीकार करना है। (ङ) हमें विनम्रता को अपनाना है। (च) हमें द्वेष से दूर रहना है।
4.	नौजवान
5.	वाक्य पिरामिड 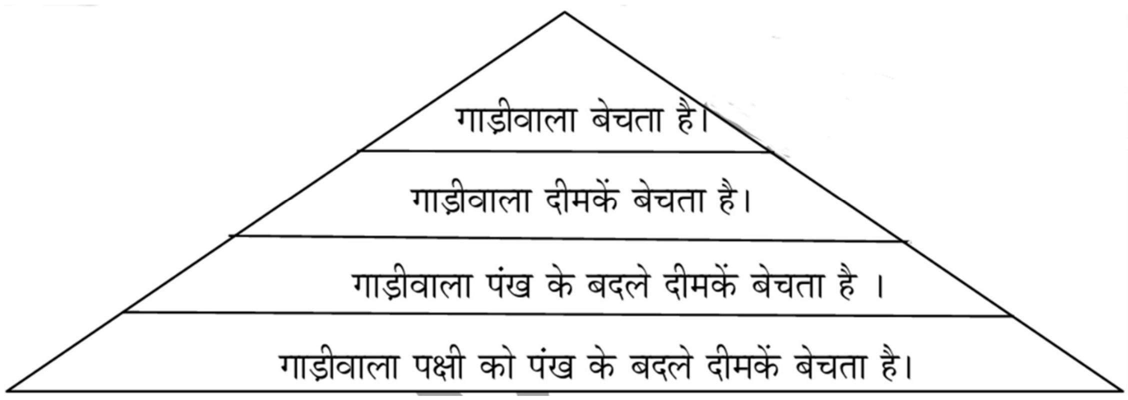
6.	वह + के = उसके
7.	मिर्जा गालिब की डायरी तारीख : पिछले कुछ दिनों से मैं और बेटियाँ भूख से परेशान थीं। दूसरों के घरों में झाड़ू लगाकर मैं अपना जीवन बिता रही थी । लेकिन अंग्रेज़ों ने गली के सारे घर-बस्तियाँ जला दी तो काम न मिलने से हमारा यह हाल हो गया। यह जानकर हमारे पडोसी मिर्जा गालिब हमारे घर खाना लेकर आया। इन रोटियों से हमारी भूख शांत हो गयी। काश वह न आता तो हमारा हाल क्या होता ? हे भगवान ! जल्दी हमारी यह स्थिति बदल जाए ।

	टिप्पणी - अंग्रेज़ों के अत्याचार से दिल्लीवाले परेशान अंग्रेज़ों के निरंतर अत्याचार से दिल्ली की परेशानी बढती जा रही है। अंग्रेज़ अब किसीकी परवाह नहीं करते। वे बेगुनाह सीधे-सादे लोगों की भी हत्या करने लगे हैं। हज़ारों लोग अब इनके हाथों से मार डाले गए हैं। कई गरीबों के घर भी जला दिए । लोग दिल्ली में रहने से डरते हैं। दिल्ली में हर कहीं लोगों में जान बचाने की भगदड मच रही है। अंग्रेज़ों से बचने केलिए गली के घरवाले गली का दरवाज़ा भीतर से बंद करके अंदर ही रहने लगे हैं। इसलिए घरों में खाने-पीने का सामान समाप्त हुआ है। वे ज़हीला पानी पीकर प्यास बुझाने केलिए विवश हो गए हैं। बाकी हज़ारों दिल्लीवाले हवालात और कैदखाने में बंद कर दिए गए हैं। बाद में उन्हें फाँसी दे दी जाती है। दिल्ली में रहना अब अपराध हो गया है।
8.	दोपहर को
9.	सही मिलान नया पोस्टमैन — नंगे पैर चलता है। हरीबा मोची — जूते बनाता है। बेबी पोस्टमैन को — उपहार देती है। पोस्टमैन की प्रतीक्षा में — बेबी खडी हो जाती है।
10.	मिट्टी का पुतला है।
11.	यह असीम, निज सीमा जाने सागर भी तो यह पहचाने
12.	**कवितांश का आशय** प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी साहित्य के प्रगतिशील कवि शिवमंगल सिंह सुमन की सुंदर कविता तूफानों की ओर घुमा दो नाविक से ली गई हैं। इसमें कवि हमको जीवन की समस्याओं को साहस व आत्मविश्वास के बल पर सामना करके आगे बढने की उपदेश देते हैं।
	कवि नाविक से कहते हैं कि असीम सागर को भी उसकी सीमा पहचाननी है। सागर को मिट्टी के पुतले मानव का नाश करने की शक्ति है। लेकिन तुम यह दिखा दो कि समुद्र के सामने मनुष्य जैसा कमज़ोर प्राणी भी कभी हार मानता है। इस तरह जीवन में कई संघर्ष आएँगे लेकिन इसकी भी हद होती है। इसलिए हम जीवन में आनेवाले संकटों का सामना करके आगे बढें । मन में साहस और आत्मविश्वास भरकर समस्याओं से लड़ते हुए जीवन में सफलता पाने की प्रेरणा देनेवाली यह कविता बिलकुल प्रासंगिक और अच्छी है। कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है।
13.	पोस्टमैन अपने कर्तव्यों को पूरी तरह से, ईमानदारी के साथ निभाता चाहता है। इसलिए वह डाक अहाते में फेंककर नहीं जाता । वह डाक को व्यक्ति के हाथ में ही देना चाहता है। उसका कर्तव्यबोध अनुकरणीय है।
14.	**पटकथा** : (बेबी और पोस्टमैन के बीच की पहली मुलाकात) **स्थान** : बेबी के घर के अहाते । **समय** : दोपहर के साढे 12 बजे ।

पात्र : 1. बेबी, 10 साल की लडकी, फ्रॉक पहनी है।

2. पोस्टमैन, 30 साल का आदमी, कुर्ता और पतलून पहना है।

घटना का विवरण :

हाथ में डाक लेकर एक पोस्टमैन अहाते में खडा है। बेबी दरवाज़ा खोलकर बाहर आती है।

संवाद –

पोस्टमैन - नमस्ते बेटी ।

बेबी - नमस्ते । क्या तुम नए पोस्टमैन हो ?

पोस्टमैन - जी हाँ, बेटी। यह रहा आप केलिए पत्र । -

बेबी - तुम अभी इधर खडे क्यों हो ?

पोस्टमैन - आपका पत्र देना है।

बेबी - पुराने पोस्टमैन जैसे आप भी क्यों न करें ?

पोस्टमैन - क्या ?

बेबी - डाक ज़मीन पर फेंककर चले जाएँ। मेरे आने में देरी होगी ।

पोस्टमैन - लगने दो बहिन ! हमारा काम आपकी डाक आपके हाथ में सौंपने का है

बेबी - धन्यवाद । आप बडे अच्छे आदमी हैं।

पोस्टमैन - धन्यवाद । मैं चला जाऊँ ।

बेबी - ठीक है।

(पोस्टमैन चला जाता है। बेबी डाक लेकर माँ के पास चलती है।)

अथवा

सहेली के नाम बेबी का पत्र

स्थान :
तारीख

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो ? घर में सब कुशल हैं न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ। अब हमारी गली में नया पोस्टमैन आ रहा है। बच्चों के से चेहरेवाला नया पोस्टमैन । उसकी आवाज़ बहुत कोमल है। वह डाक अहाते में फेंककर नहीं जाता। वह डाक को व्यक्ति के हाथ में देना अपना कर्तव्य मानता है। मुझे उसका यह स्वभाव बहुत अच्छा था। मेरे पैर को देखकर वह भी दुखी नज़र आया। उसका पैर बहुत सुंदर और गोल गोल था। पर उसके जूते नहीं, नंगे पैर घूम रहा है।

तुमसे मिलने की इच्छा है प्रतीक्षा से, फुरसत है तो एक दिन आ जाओ । तुम्हारे माँ-बाप से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की

तुम्हारी सहेली
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम,

पता ।

15. सादगी का

16. हम देश से प्यार करते हैं।

17. अपने विचारों से और अपने काम से

18. लेख - सादगी का महत्व

मानव को शोभा देनेवाले गुणों में सादगी का महत्वपूर्ण स्थान राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी अत्यधिक सादगी का जीवन बिताते थे। दूसरों के दुख नहीं समझ सके तो हम मानव नहीं होते हैं। हमारे साथ रहनेवाले अधिकांश लोग गरीबी में हो तो हमें फिज़ूलखर्ची और दिखावा नहीं करना चाहिए। अपने पास खाने पीने और पहनने केलिए आवश्यकता से अधिक चीज़ हैं, तो समझना चाहिए कि ये सब न मिलनेवाले भी हमारे समाज में हैं। अगर हम अच्छे इंसान हैं तो हमें कम से कम में काम चलाना चाहिए और दूसरों की सहायता करनी चाहिए। यही सादगी का महत्व है। इसे हमें समझना चाहिए। सादगी बडा लाभदायक होती है।

पोस्टर (संगोष्ठी) - सादगी का महत्व

जी एच एस एस, कोल्लम

हिंदी क्लब के नेतृत्व में

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर

संगोष्ठी

विषय - " सादगी का महत्व "

2024 अक्तूबर 2 को
सुबह 10 बजे
स्कूल सभा भवन में

उद्घाटन - शिक्षा मंत्री, केरल

विषय प्रस्तुति – प्रधानाध्यापक

सादगी को अपनावो.... गरीबों की सेवा करो ।

भाग लें ... लाभ उठाएँ. ..

सबका स्वागत